NEWS CLIPPING: 14.03.2019

DAINIK JAGRAN

तकनीकी कौशल में सुधार लाएं विद्यार्थी

कार्यशाला के मुख्य वक्ता अशोक कुमार गुप्ता को पौधा भेंट करते हुए कुलसचिव डॉ. संजय कुमार व डॉ तिलक राज ● जागरण

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला बुधवार को प्रारंभ हो गई। कार्यशाला सिविल इंजीनियरिंग में ढांचागत डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन विषय पर आधारित रही। इसका आयोजन राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज आंबेडकर नगर तथा औद्योगिक सहयोग से टीईक्यूआइपी-3 के अंतर्गत किया जा रहा है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में पूर्व प्रबंधक एवं परियोजना निदेशक

आयोजन

- **जेसी बोस विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू**
- **अतिथियों ने परियोजना प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला**

अशोक कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने तकनीकी कौशल में सुधार लाने के लिए भी प्रेरित किया। आइआइटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार तथा सीएसआइआर की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अनुराधा शुक्ला विशिष्ट अतिथि रहीं। कार्यशाला में डीन इंस्टीट्यूसंस डॉ. संदीप ग्रोवर, डीन मैनेजमेंट डॉ. अरविंद गुप्ता तथा कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा भी उपस्थित थे। डॉ.नीरज झा ने लागत तथा समयबद्ध परियोजना की दृष्टि से परियोजना प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुल एक तिहाई परियोजनाएं खराब प्रबंधन के कारण प्रभावित होती है।

इसलिए, सिविल इंजीनियर्स को परियोजना प्रबंधन तथा ढांचागत डिजाइन से संबंधित पूरा ज्ञान एवं कौशल हासिल करना चाहिए। डॉ. अनुराधा शुक्ला ने सिविल इंजीनियरिंग परियोजना ओं से संबंधित विभिन्न पर्यावरणीय पहलुओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. तिलक राज ने कहा कि कार्यशाला के लिए चयनित विषय प्रासंगिक है क्योंकि ढांचागत डिजाइन में फिजिक्स, मैथ व मैटीरियल साइंस के सिद्धांत लागू होते हैं, जिससे विद्यार्थियों को इस विषय की बेहतर समझ बन सकेगी। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल अग्रवाल ने दो दिवसीय कार्यशाला से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का संचालन डॉ.कृष्ण कुमार की देखरेख में किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

DAINIK JAGRAN

शिविर में 300 यूनिट रक्त एकत्र हुआ

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में रक्तदान करते छात्र एवं स्टाफ ● जागरण

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में बुधवार को भारत विकास परिषद और रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 300 विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का संचालन विश्वविद्यालय की एनएसएस व यूथ रेडक्रॉस इकाई के सहयोग से किया गया। शिविर का शुभारंभ उद्योगमंत्री विपुल गोयल ने किया तथा विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि रक्तदान में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थी को अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करें ताकि इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिल सके। कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, डीन इंस्टीट्यूसंस डॉ. संदीप ग्रोवर, स्टूडेंट वेलफेयर का डीन डॉ. नरेश चौहान, डॉ. प्रदीप डिमरी निदेशक युवा कल्याण, भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष अशोक गोयल, सचिव डॉ. सुनील गर्ग, राज कुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल, एसपी मित्तल तथा दिनेश गर्ग भी उपस्थिति थे। शिविर का संचालन डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी।

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

HINDUSTAN

तीन सौ लोगों ने रक्तदान किया

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में बुधवार को भारत विकास परिषद् की फरीदाबाद शाखा व रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का शुभारंभ उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने किया। इस दौरान करीब 3 सौ फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों व छात्रों ने हिस्सा लिया। शिविर का संचालन विश्वविद्यालय की एनएसएस व यूथ रेड क्रॉस इकाई के सहयोग से किया गया।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में बुधवार की सुबह रक्तदान शिविर में उद्योग मंत्री विपुल गोयल छात्रों का हौसला बढाने पहुंचे । • हिन्दुस्तान

HINDUSTAN

डिजाइन के बारे में जानकारी दी

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में बुधवार को सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से सिविल इंजीनियरिंग में ढांचागत डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबेडकर नगर और औद्योगिक सहयोग से कार्यशाला कराई जा रही है।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक अशोक कुमार गुप्ता ने छात्रों को सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े नैतिक मूल्यों से अवगत कराया। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार तथा केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान से मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अनुराधा शुक्ला ने बतौर विशिष्ट अतिथि विचार रखे।

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी के 300 स्टूडेंट्स ने किया रक्तदान

भारत विकास परिषद व रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से लगा शिविर

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद :** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी ने भारत विकास परिषद व रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से यूनिवर्सिटी परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में लगभग 300 स्टूडेंट्स ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान में छात्राओं की संख्या भी काफी रही। उद्योगमंत्री विपुल गोयल ने शिविर का शुभारंभ किया और स्टूडेंट्स को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। उद्योगमंत्री ने कहा कि रक्तदान कर हम किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकते हैं। इसलिए हमें खुद रक्तदान करते रहना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। मौके पर यूनिवर्सिटी कुलसचिव डॉ संजय कुमार, डीन इंस्टिट्यूशन डॉ संदीप ग्रोवर, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ नरेश चौहान, भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष अशोक गोयल, सुनील गर्ग, राजकुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल आदि मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

NAVBHARAT TIMES

दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद** : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की तरफ से यूनिवर्सिटी में बुधवार को दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज व औद्योगिक सहयोग से सिविल इंजीनियरिंग में ढांचागत डिजाइन व परियोजना प्रबंधन विषय पर ये कार्यशाला करवाई जा रही है।

कार्यशाला में एनएचएआई के पूर्व परियोजना निदेशक अशोक कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद थे। उन्होंने स्टूडेंट्स को इंजीनियरिंग से जुड़े नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी दी। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि एक तिहाई परियोजनाएं खराब प्रबंधन के कारण प्रभावित होती हैं इसलिए परियोजना प्रबंधन का पूरा ज्ञान हासिल करें। केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अनुराधा शुक्ला ने सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न पर्यावरणीय पहलुओं पर प्रकाश डाला।

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

PUNJAB KESARI COM

एक तिहाई परियोजनाएं खराब प्रबंधन के कारण प्रभावित होती हैं

- सिविल इंजीनियरिंग डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन पर दो दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ
- कार्यशाला में विद्यार्थियों को डिजाइन व परियोजना प्रबंधन की मिलेगी जानकारी

फरीदाबाद ,राकेश देव (पंजाब केसरी): जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सिविल इंजीनियरिंग में ढांचागत डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला आज प्रारंभ हो गई। कार्यशाला का आयोजन राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अम्बेडकर नगर तथा औद्योगिक सहयोग से टीईक्यूआईपी.3 के अंतर्गत किया जा रहा है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में पूर्व प्रबंधक एवं परियोजना निदेशक अशोक कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि रहे तथा विद्यार्थियों को सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े नैतिक मूल्यों से अवगत करवाया।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने तकनीकी कौशल में सुधार लाने के लिए भी प्रेरित किया। सत्र में आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ नीरज कुमार तथा सीएसआईआर.केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की मुख्य वैज्ञानिक डॉ अनुराधा शुक्ला विशिष्ट अतिथि रही। इस अवसर पर डीन इंस्टीट्यूशन्स डॉ संदीप ग्रोवर, डीन मैनेजमेंट डॉ अरविंद गुप्ता तथा कुलसचिव डॉ संजय कुमार शर्मा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए डा नीरज झा ने लागत तथा समयबद्ध परियोजना पूर्णता की दृष्टि से परियोजना प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुल एक तिहाई परियोजनाएं खराब प्रबंधन के कारण प्रभावित होती है। इसलिएए सिविल इंजीनियर्स को परियोजना प्रबंधन तथा ढांचागत डिजाइन से संबंधित पूरा ज्ञान एवं कौशल हासिल करना चाहिए। सत्र को संबोधित करते हुए डॉ अनुराधा शुक्ला ने सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न पर्यावरणीय पहलुओं पर प्रकाश डाला। सत्र को संबोधित करते हुए डॉ तिलक राज ने कहा कि कार्यशाला के लिए चयनित विषय प्रासंगिक है क्योंकि ढांचागत डिजाइन में फिजिक्स, मैथ व मेटिरियल साइंस के सिद्धांत लागू होते है, जिससे विद्यार्थियों को इस विषय की बेहतर समझ बन सकेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण तथा औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप तकनीकी ज्ञान हासिल करने में मदद मिलती है। इससे पूर्व, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ एम एल अग्रवाल ने दो दिवसीय कार्यशाला से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का संचालन डॉ कृष्ण कुमार की देखरेख में किया जा रहा है।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि व अन्य। (छाया:राकेश देव)

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

PUNJAB KESARI COM

रक्तदान पुण्य का कार्य

फरीदाबाद ,(पंजाब केसरी): जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा आज भारत विकास परिषद् की फरीदाबाद शाखा तथा रैड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गयाए जिसमें विद्यार्थियों विशेष रूप से लड़कियों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर में लगभग 300 विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का संचालन विश्वविद्यालय की एनएसएस व यूथ रैड क्रॉस इकाई के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ संजय कुमार शर्मा, डीन इंस्टीट्यूशन्स डॉ संदीप ग्रोवर, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा नरेश चौहान, डॉ प्रदीप डिमरी, निदेशक, युवा कल्याण, भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष अशोक गोयल, सचिव डॉ सुनील गर्ग, अन्य पदाधिकारी राज कुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल, एस पी मित्तल तथा दिनेश गर्ग भी उपस्थिति थे। शिविर का संचालन डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर में हिस्सा लेना अपने आप में शिक्षा का हिस्सा हैए जो देने के सुख की अनुभूति करवाता है और दूसरों के लिए मदद करने के लिए आगे आने की शिक्षा देता हैं। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ नरेश चौहान तथा निदेशक, युवा कल्याण डॉ प्रदीप डिमरी ने शिविर में सहयोग के लिए भारत विकास परिषद् तथा रैड क्रॉस के पदाधिकारियों तथा चिकित्सा दल का आभार जताया। जिला रैड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये।

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

AMAR UJALA

सोशल मीडिया से मिलेगा रक्तदान मुहिम को बढ़ावा

फरीदाबाद। रक्तदान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों को उनकी फोटो अपलोड करने की खास मुहिल जेसी बोस विश्वविद्यालय में शुरू की गई। इससे अधिकतम लोगों को रक्तदान करने को प्रेरित करने का मनोबल मिलेगा। बुधवार को जेसी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में यह बातें रक्तदान शिविर में पहुंचे उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने कही। इस मौके पर करीब 300 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम का आयोजन भारत विकास परिषद की ओर से किया गया। शिविर का संचालन विश्वविद्यालय की एनएसएस व यूथ रेड क्रॉस इकाई ने किया। इस अवसर पर डा संजय कुमार शर्मा, डीन इंस्टीट्यूशंस डा. संदीप ग्रोवर, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. नरेश चौहान, डा. प्रदीप डिमरी, निदेशक, युवा कल्याण, भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष अशोक गोयल, सचिव डा. सुनील गर्ग, अन्य पदाधिकारी राज कुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल, एसपी मित्तल और दिनेश गर्ग मौजूद रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर में हिस्सा लेना अपने आप में शिक्षा का हिस्सा है। ब्यूरो

AMAR UJALA

इंजीनियर सीख रहे नए डिजाइन के साथ प्रबंधन कला

फरीदाबाद। जेसी बोस के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में ढांचागत डिजाइन एवं परियोजना विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरू की गई। कार्यशाला का आयोजन राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबेडकर नगर और औद्योगिक सहयोग से टीईक्यूआईपी-3 में किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में पूर्व प्रबंधक एवं परियोजना निदेशक अशोक कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। इसमें विद्यार्थियों को सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल में सुधार के लिए भी प्रेरित किया। इसमें आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार, सीएसआईआर केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अनुराधा शुक्ला मौजूद रही। समय पर परियोजना पूरी करने के लिए प्रबंधन के बारे में बताया। डॉ. नीरज झा ने कहा कि कुल एक तिहाई परियोजनाएं खराब प्रबंधन के कारण प्रभावित होती हैं। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

DAINIK BHASKAR

एक तिहाई परियोजनाएं खराब प्रबंधन के कारण प्रभावित होती हैं:डॉ. नीरज झा

सिविल इंजीनियरिंग डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन पर दो दिनी कार्यशाला

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'सिविल इंजीनियरिंग में ढांचागत डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला बुधवार से शुरू हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में पूर्व प्रबंधक एवं परियोजना निदेशक अशोक कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि रहे तथा विद्यार्थियों को सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े नैतिक मूल्यों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने तकनीकी कौशल में सुधार लाने के लिए भी प्रेरित किया। सत्र में आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ नीरज कुमार तथा सीएसआईआर-केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अनुराधा शुक्ला विशिष्ट अतिथि रही। इस अवसर पर डीन इन्स्टीट्यूशन्स डॉ. संदीप ग्रोवर, डीन मैनेजमेंट डॉ. अरविंद गुप्ता तथा कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा भी मौजूद थे। इस मौके पर डॉ. नीरज झा ने लागत तथा समयबद्ध परियोजना पूर्णता की दृष्टि से परियोजना प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कुल एक तिहाई परियोजनाएं खराब प्रबंधन के कारण प्रभावित होती हैं। इसलिए, सिविल इंजीनियर्स को परियोजना प्रबंधन तथा ढांचागत डिजाइन से संबंधित पूरा ज्ञान एवं कौशल हासिल करना चाहिए। डॉ. अनुराधा शुक्ला ने सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न पर्यावरणीय पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. तिलक राज ने कहा कि कार्यशाला के लिए चयनित विषय प्रासंगिक है क्योंकि ढांचागत डिजाइन में फिजिक्स, मैथ व मेटिरियल साइंस के सिद्धांत लागू होते है, जिससे विद्यार्थियों को इस विषय की बेहतर समझ बन सकेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण तथा औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप तकनीकी ज्ञान हासिल करने में मदद मिलती है। इससे पूर्व, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल अग्रवाल ने कार्यशाला से संबंधित जानकारी प्रदान की।

NEWS CLIPPING: 14.03.2019

DAINIK BHASKAR

तीन सौ ने किया रक्तदान, छात्राओं ने भी लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भारत विकास परिषद और रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों विशेष रूप से लड़कियों ने भी हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर में लगभग 300 विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर सुबह 9.30 बजे से शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने किया। उन्होंने कहा रक्तदान में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थी अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करें ताकि इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, डीन इन्स्टीट्यूशन्स डॉ. संदीप ग्रोवर, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान, डॉ. प्रदीप डिमरी, निदेशक, युवा कल्याण, अन्य पदाधिकारी राज कुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल, एसपी मित्तल तथा